

दोहरी आय वाले/कैरियर वाले परिवार

प्रस्तावना

आधुनिक समाज में शिक्षा, रोजगार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और बदलती जीवन-शैली के कारण परिवार की पारंपरिक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। दोहरी आय वाले परिवार (Dual-Income Family) ऐसे परिवार हैं जिनमें पति और पत्नी दोनों आय अर्जित करने वाले कार्य या रोजगार में संलग्न होते हैं। जब दोनों अपने-अपने कैरियर के विकास को भी प्राथमिकता देते हैं, तो इन्हें कैरियर वाले परिवार भी कहा जाता है।

1. *अर्थ*

दोहरी आय वाले परिवार से आशय ऐसे परिवार से है जिसमें दो वयस्क सदस्य, सामान्यतः पति और पत्नी, नियमित रूप से रोजगार या व्यवसाय के माध्यम से आय अर्जित करते हैं और परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं में योगदान देते हैं।

कैरियर वाले परिवार में दोनों सदस्य केवल आय अर्जित ही नहीं करते, बल्कि अपनी व्यावसायिक उन्नति, पदोन्नति, कौशल विकास और कैरियर लक्ष्यों को भी महत्व देते हैं।

2. *प्रमुख विशेषताएँ*

1. दोनों की आय

पति और पत्नी दोनों रोजगार, व्यवसाय या अन्य आर्थिक गतिविधियों से आय प्राप्त करते हैं।

2. आर्थिक आत्मनिर्भरता

परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी केवल एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं रहती।

3. कैरियर को महत्व

दोनों सदस्य अपनी शिक्षा, नौकरी, पदोन्नति और व्यावसायिक विकास को महत्व देते हैं।

4. कार्य एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों का बंटवारा

घर के काम, बच्चों की देखभाल और अन्य जिम्मेदारियों को दोनों के बीच बाँटने की आवश्यकता होती है।

5. निर्णय लेने में सहभागिता

आय अर्जित करने के कारण दोनों सदस्यों की परिवार के आर्थिक और महत्वपूर्ण निर्णयों में भागीदारी बढ़ती है।

6. समय का प्रबंधन

नौकरी और परिवार दोनों की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए समय-प्रबंधन आवश्यक होता है।

3. *दोहरी आय वाले परिवार के लाभ*

परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर अधिक संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं।

महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ती है।

परिवार के निर्णयों में दोनों की भागीदारी बढ़ सकती है।

बच्चों के भविष्य के लिए बचत और निवेश की संभावना बढ़ती है।

पति-पत्नी के बीच जिम्मेदारियों के अधिक समान वितरण को बढ़ावा मिल सकता है।

4. *प्रमुख समस्याएँ एवं चुनौतियाँ*

(1) समय का अभाव: दोनों के नौकरी करने से परिवार के लिए पर्याप्त समय निकालना कठिन हो सकता है।

(2) बाल देखभाल की समस्या: छोटे बच्चों की देखभाल के लिए डे-केयर, क्रेच, रिश्तेदार या अन्य व्यवस्था की आवश्यकता हो सकती है।

(3) कार्य-परिवार संतुलन: नौकरी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

(4) घरेलू कार्य का असमान वितरण: यदि घरेलू कार्य मुख्य रूप से एक ही सदस्य पर पड़ जाए, तो तनाव उत्पन्न हो सकता है।

(5) कैरियर संबंधी संघर्ष: दोनों के स्थानांतरण, पदोन्नति या अलग-अलग कार्यस्थल होने से पारिवारिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं।

(6) तनाव और पारिवारिक समय: लंबे कार्य घंटे और काम से जुड़ी जिम्मेदारियाँ परिवार के साथ बिताए जाने वाले समय को प्रभावित कर सकती हैं।

5. *समाज कार्य की भूमिका*

समाज कार्यकर्ता ऐसे परिवारों को—

कार्य-परिवार संतुलन संबंधी परामर्श,

बाल देखभाल एवं पारिवारिक सेवाओं की जानकारी,

वैवाहिक एवं पारिवारिक परामर्श,

तनाव प्रबंधन,

उपलब्ध सरकारी एवं सामुदायिक सहायता सेवाओं से जोड़ने

में सहायता कर सकते हैं।

निष्कर्ष

दोहरी आय वाले/कैरियर वाले परिवार आधुनिक परिवार व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्वरूप हैं। इनमें आर्थिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत विकास के अवसर बढ़ते हैं, लेकिन कार्य और पारिवारिक जिम्मेदारियों के संतुलन की चुनौती भी रहती है। समान जिम्मेदारी, प्रभावी संवाद, समय-प्रबंधन और पारस्परिक सहयोग ऐसे परिवारों के स्वस्थ संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं।